# जीएसटी वसूली चौथे महीने भी एक लाख करोड़ पार विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां 7 महीने में सबसे तेज

## दिवाली से पहले मांग और उत्पादन के दम पर अर्थव्यवस्था में तेजी

**नई दिल्ली।** दिवाली से पहले त्योहारी मांग और उत्पादन में बढ़ोतरी के दम पर अर्थव्यवस्था तेजी से सुधार की राह है। पहली और दूसरी तिमाही के बेहतर प्रदर्शन के बाद आर्थिक एवं कारोबारी गतिविधियों में तेजी से अक्तूबर में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) वसूली लगातार चौथे महीने एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई। इस दौरान विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों की रफ्तार भी सात महीने में सबसे तेज रही।

वित्त मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष के दौरान जून को छोड़कर जीएसटी वसूली हर महीने एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रही। हालांकि, जून में यह घटकर 92,849 करोड़ रुपये रह गई थी। इसके बाद जुलाई से हर महीने जीएसटी वसूली के रूप में सरकार की कमाई एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रही। मंत्रालय ने कहा कि जीएसटी वसूली के आंकड़े आर्थिक सुधार के रुझानों से मेल खाते हैं। यह महामारी की दूसरी लहर के बाद से हर महीने जेनरेट होने वाले ई-वे बिल के रुझानों से भी स्पष्ट है। बयान में मुताबिक, अगर सेमीकंडक्टर की आपूर्ति में बाधा से वाहन और अन्य उत्पादों की बिक्री प्रभावित नहीं होती है तो जीएसटी वसूली और भी ज्यादा होती। एजेंसी

**वित्त मंत्रालय ने कहा...चिप संकट नहीं होता तो जीएसटी वसूली और भी ज्यादा होती**

**2021-22 में ऐसे बढ़ा संग्रह**

| अवधि | रकम (करोड़ में) |
|---|---|
| अप्रैल | 1,41,384 |
| मई | 1,02,709 |
| जून | 92,849 |
| जुलाई | 1,16,394 |
| अगस्त | 1,12,020 |
| सितंबर | 1,17,010 |
| अक्तूबर | 1,30,127 |

**इन राज्यों में सबसे ज्यादा वसूली**

| राज्य | संग्रह | तेजी |
|---|---|---|
| महाराष्ट्र | 19,355 करोड़ | 23% |
| गुजरात | 8,497 करोड़ | 25% |
| कर्नाटक | 8,259 करोड़ | 18% |
| तमिलनाडु | 7,642 करोड़ | 11% |
| उत्तर प्रदेश | 6,775 करोड़ | 24% |
| हरियाणा | 5,606 करोड़ | 3% |
| प. बंगाल | 4,259 करोड़ | 14% |
| दिल्ली | 4,045 करोड़ | 26% |
| तेलंगाना | 3,854 करोड़ | 14% |
| ओडिशा | 3,593 करोड़ | 49% |

### बिजली खपत : 4.8% बढ़कर 114.37 अरब यूनिट

देश की बिजली खपत अक्तूबर में 4.8 फीसदी बढ़कर 114.37 अरब यूनिट पहुंच गई। ऊर्जा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि कोयला संकट के बीच बिजली खपत का यह आंकड़ा अर्थव्यवस्था में सुधार का संकेत है। अक्तूबर, 2020 में कुल खपत 109.17 अरब यूनिट रही थी, जबकि 2019 के समान महीने में यह आंकड़ा 97.84 अरब यूनिट रहा था। सरकार के प्रयासों से बिजली संयंत्रों में कोयले की आपूर्ति बढ़ने से मांग और बढ़ेगी।

## विनिर्माण पीएमआई : नए ऑर्डर व उत्पादन में वृद्धि से आई मजबूती

**नई दिल्ली।** नए ऑर्डर में तेजी एवं कंपनियों के उत्पादन बढ़ाने की वजह से विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में और मजबूती आई। आईएचएस मार्किट इंडिया का मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स सूचकांक (पीएमआई) अक्तूबर, 2021 में बढ़कर 55.9 हो गया। यह विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में इस साल फरवरी के बाद से सबसे मजबूत सुधार है। यह आंकड़ा व्यावसायिक गतिविधियों में मजबूत विस्तार को बताता है। सितंबर में विनिर्माण पीएमआई 53.7 रहा था। आईएचएस मार्किट की शुक्रवार को जारी सर्वे में कहा गया है कि विनिर्माण पीएमआई में अक्तूबर में लगातार चौथे महीने विस्तार दिखा। कंपनियों का उत्पादन और नए ऑर्डर सात महीनों में सबसे तेजी से बढ़े। व्यापार आशावाद भी छह महीने के शीर्ष पर पहुंच गया।

**55.9**
**रहा विनिर्माण पीएमआई अक्तूबर में, सितंबर में 53.7 था**

### निर्यात तीन महीने में सबसे ज्यादा

आईएचएस मार्किट की संयुक्त निदेशक (अर्थशास्त्र) पॉलियाना डी लीमा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूत सुधार और कारोबारी गतिविधियों में तेजी के दम पर विनिर्माण क्षेत्र का प्रदर्शन लगातार बढ़ रहा है। इस दौरान नए निर्यात की गति तीन महीने में सबसे तेज थी। उन्होंने कहा कि कंपनियों ने अपने स्टॉक का निर्माण कर मांग में और सुधार के लिए तैयारी कर ली है। अगर महामारी नियंत्रण में रहती है तो 2021-22 की तीसरी तिमाही में विस्तार जारी रहेगा।

### महंगाई ने बढ़ाई चिंता, नहीं बढ़ीं नौकरियां

लीमा ने कहा कि महंगाई अब भी चिंता का विषय है। कच्चे माल की लागत से जुड़ी महंगाई दर अक्तूबर में बढ़कर करीब 8 साल के शीर्ष पर पहुंच गई। कच्चे माल की मजबूत वैश्विक मांग से कीमतों में तेजी जारी रही। समग्र सुधार के बावजूद नौकरियां में बढ़ोतरी नहीं दिखी।

### फास्टैग संग्रह : रिकॉर्ड 3,356 करोड़

फास्टैग के जरिये टोल संग्रह अक्तूबर में बढ़कर रिकॉर्ड 3,356 करोड़ रुपये पहुंच गया। इस दौरान 21.42 करोड़ भुगतान हुए, जो अब तक का सर्वाधिक है। सितंबर में फास्टैग से टोल संग्रह 3,000 करोड़ रुपये और अगस्त में 3,076.56 करोड़ रुपये रहा था।

### कोयला उत्पादन : 6.4 फीसदी बढ़ा

कोल इंडिया का उत्पादन अक्तूबर में सालाना आधार पर 6.4 फीसदी बढ़कर 4.98 करोड़ टन पहुंच गया। देश के बिजली संयंत्रों में कोयले की कमी के बीच यह अच्छी खबर है। अक्तूबर, 2020 में उत्पादन 4.68 करोड़ टन रहा था। अप्रैल-अक्तूबर में यह आंकड़ा 29.96 करोड़ टन पहुंच गया था।